

ढलेरलरल ओङु डेङू कुडु आढुं कुशु डुऑलण



Bangani

मलेरिया औज़ि डेंगू कौइ आमैं केशौ बौचिण

Bangani
uttarkashi, uttrakhand, india

For permission to reuse, contact the copyright holder.

Big book in Bangani language
Community based Book

परकाशण:-
NLCI
बंगाणी मसी समिति समू

दो बात

यह किताब बंगाणी भाषा में बनायी गयी है। इस किताब में एक कहानी है जिसे 10-12 पेजों में बनाया गया है और हर पेज में लगभग 2-3 वाक्य है। इस किताब में हर एक वाक्य के अनुसार चित्र भी डाला गया है। इन चित्रों के आधार से पढ़ने वाला कहानी बता सकता है और पढ़ाने वाला कहानी सुना सकता है। इस पुस्तक का उपयोग साक्षरता कार्यक्रम में किया जाता है। यह किताब बड़े ही आसान और बहुत ही कम शब्दों में और बहुत सरल रीति से बनायी गयी है। ताकी जो लोग पढ़ने की शुरूआती स्तर में हैं वह आसानी से इस कहानी को अपनी अपनी मातृ-भाषा में पढ़के आसानी से समझ सकें और अपनी मातृ-भाषा में पढ़ने और लिखने का प्रयास कर सकें।

॥धन्यवाद॥



गाउँ दि गौरमिउँ रौ दूस आई गोयै थै। हर
गौरे दि पाणी री टांकी औज़ि ओखेर
औयैण थै बौरौन्दै। कुछ ज़ागा दि तै बौरी
दुसु जौउँ औयै थौ पाणी रुकौन्दौ। एज़ि
बौज़ै कौइ बौरी मच्छर पैदा उन्दै लागै।



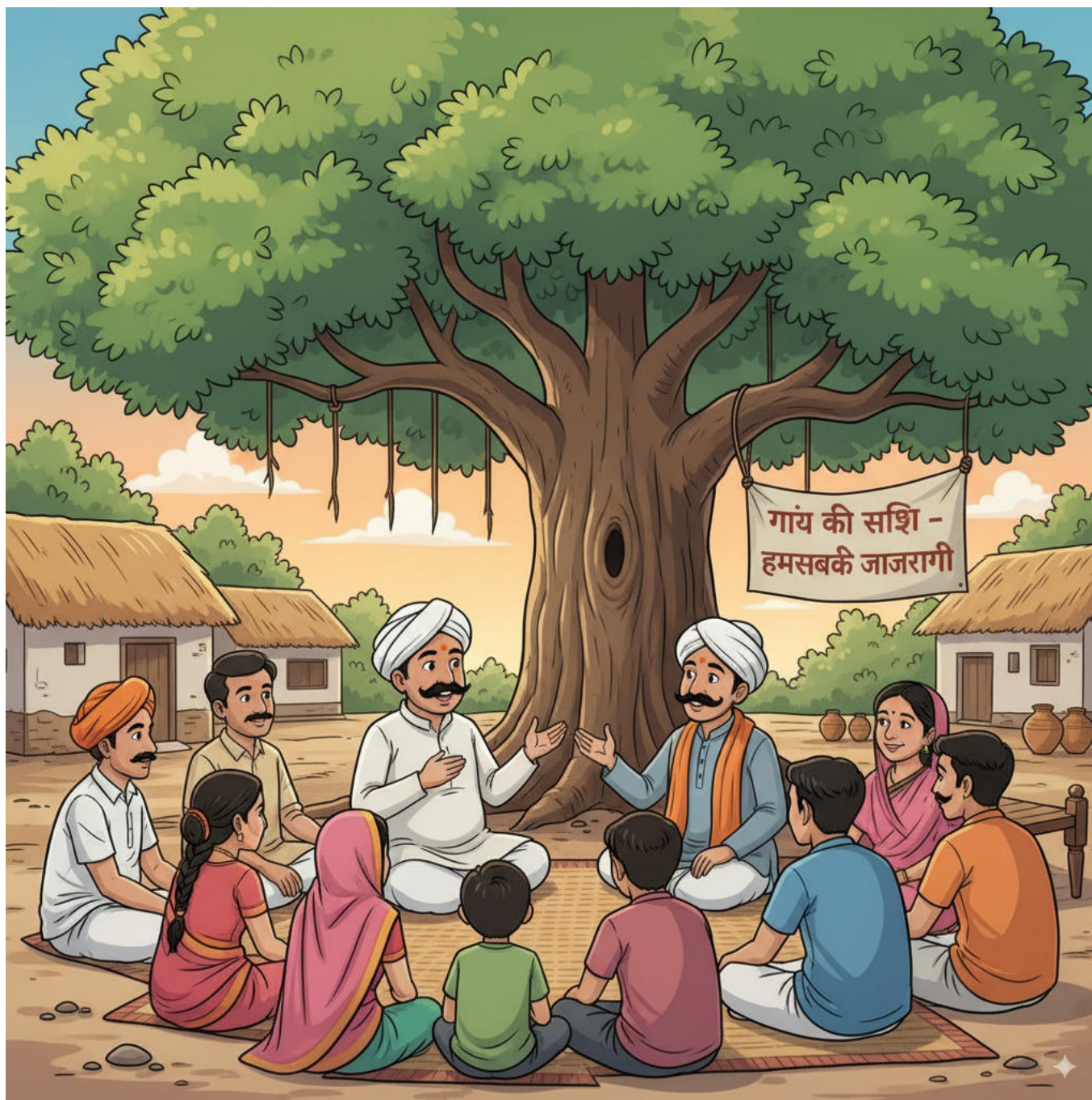
बौबी औज़ि रितू रै पेटारौउं देखौ कि बौरी
लोग बीमार रौयै औन्दै लागी। एज़ि बौज़ै
कौइ गाउं दि कुछ डौक्टर थै आऔन्दै
तिउं बोलौ कि ऐ मलेरिया औज़ि डेंगू रै
लक्षण लागैण। एशौ शुणियौ सारिउं चिन्ता
औन्दि लागी।



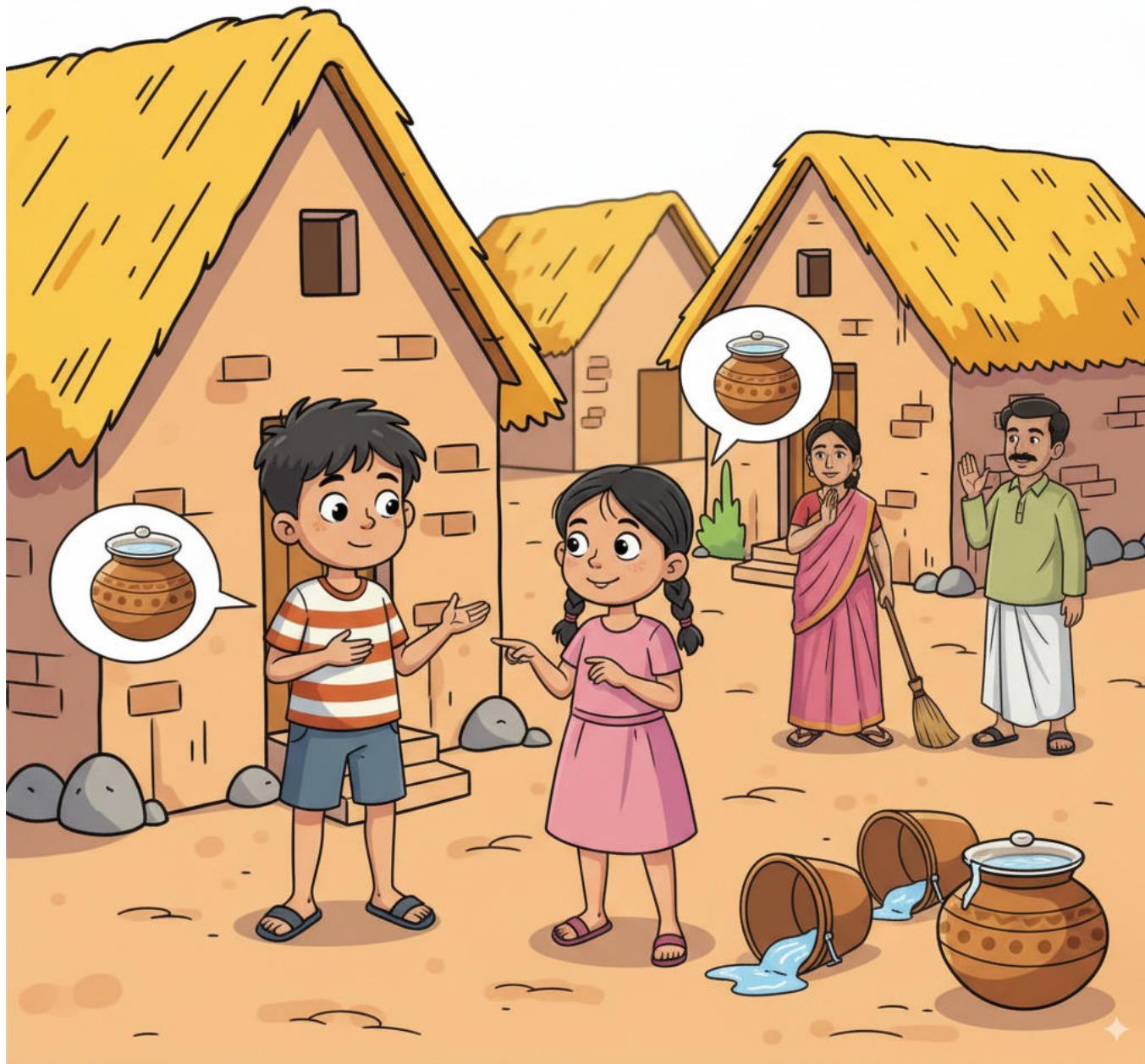
डौक्टरेड सै सौमज़ायै कि मलेरिया री
बीमारी मलेरिया रै मच्छर कौड औयैण ।
औज़ि डेंगू, डेगू मच्छर कौड फैलैण । ऐ
मच्छर गन्दगी कौड फैलैण, एज़ि बौज़ै
कौड साफ सौफाइ बौरी ज़ौरूरी कौरणी
चाइं ।



बौबीएइ देखौ कि काफी गौरु दि गौमलौ
औज़ि टाइरुं दि पाणी बौरुवौन्दौ। औज़ि
रितूइ देखौ कि नाळियै बौरी गान्दी, तैबै
तिउं सुँचौ कि आमै सारै ज़ौणै एस मिलियौ
साफ कौरिण। तिउं एज़ि बुशै गाउँ रै
सरपंच आरी बोली।



सरपंचेइ गाउँ रै सारै लोग औटायै, औज़ि
तिउँ आरी बोलौ, कि ई बीमारी कौइ
बौचरणे खि आमु साफ सौफाइ कौरणी
चाइं। औज़ि सौफाइ खि हर एक लोग
आपड़ै आपड़ै गौरेरी ज़िम्बारी नियै लौ,
तेतबासियै सारिउँ मिलियौ एक अबियान
शुरु कियौ।



औज़ि पेटारौउं बी गौरुं तौरुं दि डेइयौ
सौमज़ायै कि टांकी डौकी थौ, औज़ि
औखेर खाली कौरौ नाळिउं साफ कौरौ ।
मच्छरुं कै मौकौ ना दैऔ । लोगु बी
पेटारौउं री बुशै मानी गोइ थी ।



छेउडिउं गौरेदि मच्छरदाणी लाई। औज़ि
राति खि सारे लोगु ज़ाळिवाळै दुवार बन्द
कौरदै लागै। औज़ि छोटै पेटारौउं कै पुरै
बाइलै वाळै जुड़कै बिड़ान्दै लागै। एज़ि
बौज़ै कौइ सारिउं कै काफी राहत मिली।



औज़ि डौक्टरेइ बी बोलौ कि ज़ौ कासीदि
बुखार आयैलै। तै तेत्राइ ज़ाँच कौराइयौ।
केलाकि मलेरिया री जाँच खूनेइ कांच री
स्लाइड माइं थौइयौ औयै। औज़ि डेंगू
री जाँच एलाइज़ा टेस्ट कौइ औयै।
औज़ि बौक्तेदि इलाज़ कौराइयौ ज़ान
बौचाइ सौकैण।



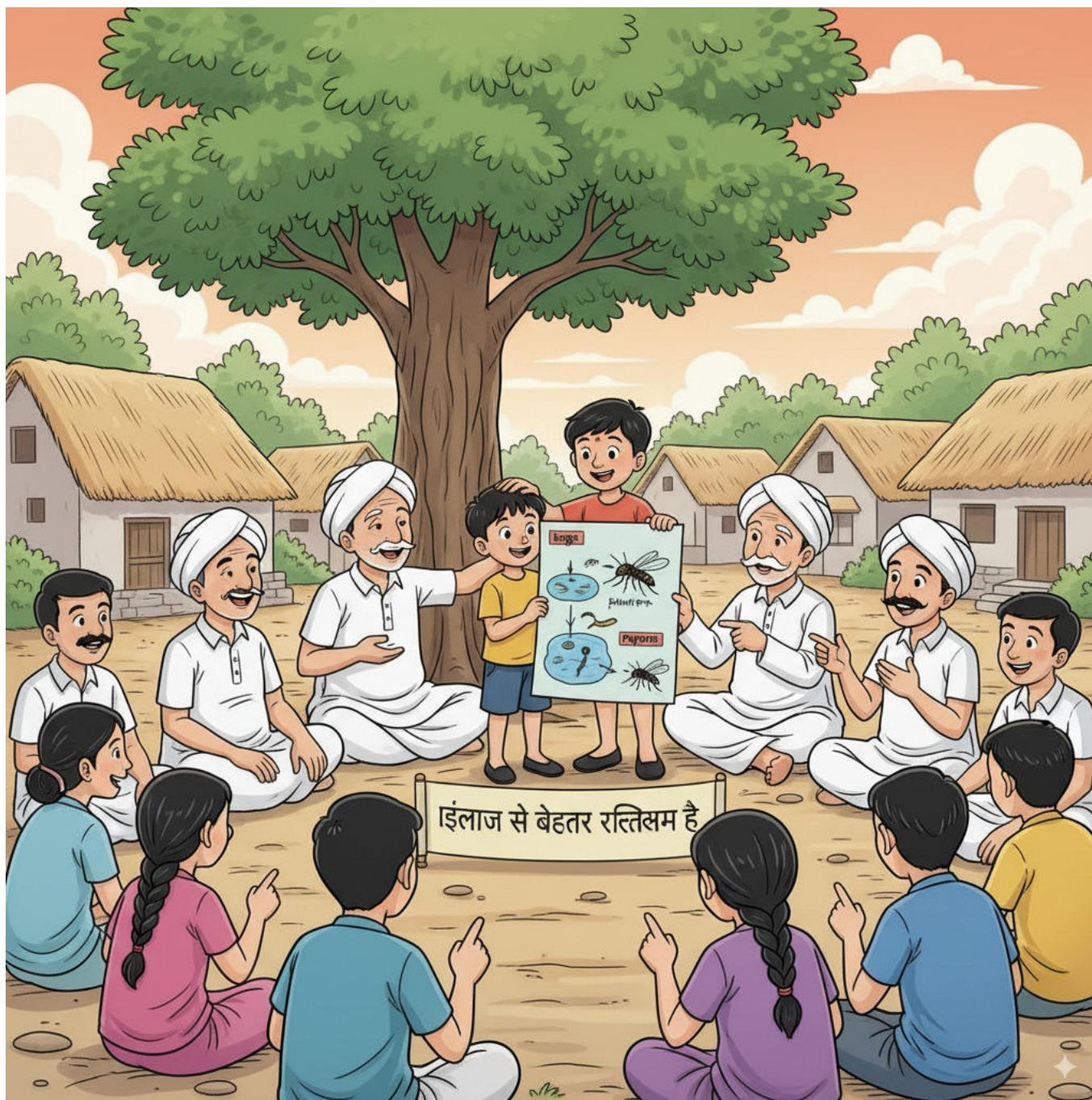
कुछ दूस बासियै गाउँ री आंगनवाड़ी
वाळिएइ एक जागरूकता बैठक
बोशाखी, औज़ि दिवालिउँ पारै पोश्टर बी
चिपकाए। पेटारौउँ बी नाटक कौरियौ
सौमजायै कि मच्छर कौइ बौचि रौइयौ,
सारिउँ कै बौड़िया कौइ सौमज दि आई
गोऔ थौ।



सौरकारेइ बी दुवाइ वाळौ दुवां लाओ ।
औजि नाळिउं दि कीटनाशक पाइ ।
इस्कुल रै पेटारौ बी सौफाइ रौ नारौ
लाओ । गाउँ रौ माहौल बी बौदलुन्दै
लागौ ।



बौबी औज़ि रितू बौरी खुश उवै। गाउँ
वाळै ऐबै बीमारी कौइ डौरनै रै बौजै कौइ
चौकशिरौ रौयैण थै। औज़ि हर औइतुवारै
सौफाइ रौ दूस तय कियौ। लोगु सेउ एक
तिवार बाशी मौनाण शुरु कियौ।



गाउँ रैबुजुर्ग लोग बी एशौ बोल्दै लागै। कि
औगौणिकै तै बीमार औयैण थै। पर ऐबै
बौचाव कौरदै लागौन्दै। पेटारै बी ऐबै
सौमज़ी गोए थै कि मिलियौ आमैं बीमारी
कौइ लौड़ी सौकीण। मच्छरुं पैदाइ ना
दैऔ औणै।



एज़ि बौज़ै कौइ गाउँ ऐबै साफ औज़ि
स्वस्थ दिशदै लागौ। लोग बी एक दुजै कै
बार बार याद देआण थै कि पाणी कौठी
ना देइयौ औणै। डौक्टरैइ बी बोलौ कि
तुमु एऊ बौड़िया काम कियौ। सारै ज़ौणै
बौरी खुश थै।



ईं कांऽणी कौइ आम्कै एशी शिक मिलै
कि मलेरिया औज़ि डेंगू कौइ बौची
सौकिण। सौफाइ, मच्छरदानी औज़ि
जागरूकता ई सारिउं कौइ बौड़ौ
औथियार। स्वस्थ गाउँइ खुश गाउँ औयै।

For the Teacher

This Big Book is designed to be used for two weeks. It promotes enjoyment of storybooks, development of vocabulary, the skills of prediction, sequencing and main idea, and the understanding that books are made up of words.

On **Monday**, the teacher

- shows everyone the cover of the book
- reads the title, while moving a finger under it
- turns to the first page, and discusses the picture (asks the children to predict what will happen)
- reads the text on the first page, fluently (not slowly), and
- asks the children what they think they will see on each page. (The teacher is the only one “reading.”)

On **Tuesday**, the teacher

- shows everyone the book, and
- reads the story again, following the words with a finger, without as much discussion of the pictures.

On **Wednesday**, the teacher

- invites children to join in with “reading” when the story comes to parts which are familiar to them
- shows a flashcard from the story and tells the class what the card says, and
- invites children to find the same word in the storybook (or to match the card with the word in the book to see if it is the same)

On **Thursday**, the teacher

- points smoothly to the words in the story and lets some volunteers “read” a page, if they can remember the story by now, and
- lets the children match the flashcards to the words in the story.

On **Friday**, the children

- act out (dramatize) the story as others help the teacher “read” it.

यह किताब NLCI के द्वारा तैयार की गई है।

हम मात्रभाषा में साक्षरता कार्यक्रम करते हैं। जिसके अन्तर्गत हम अपने क्षेत्र में अलग अलग भागों में शिक्षा देते हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि, हमारे क्षेत्र के असाक्षर लोग और बच्चे साक्षर हो सकें।

और पढ़ लिख कर अपने समाज का विकास कर सकें।

हम जानते हैं कि हमारे क्षेत्र के अधिकतम लोग बोल-चाल में हो या काम-काज में हर स्थान पर अपनी मात्रभाषा का उपयोग करते हैं। इसलिए हम अपने क्षेत्र के लोगों के लिए जो भी पाठ्य सामग्री तैयार करते हैं। उसे उन्हीं की मात्रभाषा में तैयार करते हैं। जिससे उन्हें पढ़ने और लिखने में आसानी हो और वो जल्दी ही पढ़ना और लिखना सीख सकें।

हम अपनी संस्था में साक्षरता के द्वारा मात्रभाषा में वयस्क शिक्षक ही नहीं चलाते बल्कि, अपने क्षेत्र में पढ़े-लिखे लोगों के लिये तथा बच्चों के लिये भी अलग-अलग तरह की पाठ्य सामग्री भी उन्हीं की मात्रभाषा में उपलब्ध कराते हैं। जिससे की बच्चे अपने बचपन से ही अपनी मात्रभाषा को महत्व दें जिससे हमारी भाषा लुप्त ना हो। हम प्रार्थना करते हैं कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ लिख सकें और हमारे क्षेत्र का और अधिक विकास हो सकें।

.....,धन्यवाद,.....

